''एच0आई0वी0 परीक्षण के बारे में दस प्रमुख सवाल''

क्या आप एच0आई0वी0 परीक्षण कराने के बारे में सोच रहे हैं ? क्या आप परेशान हैं कि किस तरह के परीक्षण होंगे, या आपका परीक्षण मुफ्त होगा, और क्या आपको अपना सही नाम बताना पड़ेगा? या आपको आपके परीक्षण के बारे में पता चला है और आप उसकी सच्चाई को लेकर उत्सुक हैं। ''एच0आई0वी0 परीक्षण के बारे में दस प्रमुख सवाल''में आपका स्वागत है। मेरा नाम (प्रस्तुतकर्ता का नाम) है। मैं (प्रस्तुतकर्ता की भूमिका) में हूँ। इस विडियों में हम आपको विभिन्न प्रकार के एच0आई0वी0 परीक्षणों के बारे में समझायेंगे जो कि आजकल सामान्यतः प्रचलित हैं, वे कितने विश्वासनीय हैं, और उन परीक्षणों को आप कितनी जल्दी, आसानी से निःशुल्क करा सकते हैं।

1. एच0आई0वी0 का परीक्षण कैसे होता है ?

एच0आई0वी0 परीक्षण यह पता लगाता है कि कहीं आप एच0आई0वी0 वायरस (जिससे कि एड्स होता है) से संक्रमित तो नहीं। मुख्यतया प्रचलित परीक्षण यह पता लगाते हैं कि आपके शरीर ने ''एण्टीबाडीज'' का निर्माण करके एच0आई0वी0 संक्रमण से लड़ने के लिये प्रतिक्रिया दी है या नहीं। ''एण्टीबाडीज'' आपके शरीर में उपस्थित छोटे–छोटे गेंद की तरह होते हैं जो संक्रमण से लड़ते हैं। विकसित देशों में अशुद्ध परीक्षण के खतरे को कम से कम करने के लिए, सामान्यतया दो बार परीक्षण किये जाते हैं। सर्वप्रथम, आपको ''एलिसा'' परीक्षण

जो कि प्रथम ''एच0आई0वी0 परीक्षण है, करवाना होता है। यदि प्रथम परीक्षण का निष्कर्ष ''एच0आई0वी0 पाजिटिव'' है, तब दूसरा परीक्षण जिसे ''वेस्टर्न ब्लाट'' कहते हैं, करवाना होता है। इन दो परीक्षणों के बाद ही आपको ''एच0आई0वी0 पाजिटिव'' घोषित किया जाता है। विकासशील देशों में आमतौर पर दूसरा परीक्षण करवाना सम्भव नही है, और ऐसे में आपका डॉक्टर केवल प्रथम परीक्षण के निष्कर्ष का ही प्रयोग करेगा।

यह सुनिश्चित करने के लिए कि आप ''एच0आई0वी0'' संक्रमित नही हैं, आप को ''एच0आई0वी0'' के सम्पर्क में आने की किसी भी सम्भावना जैसे किसी के साथ सम्भोग किये हुए या प्रयोग की हुई सूई का उपयोग किया हुए कम से कम छः महीने बाद एक ''एच0आई0वी0'' निगेटिव परीक्षण कराना होगा।

2. विण्डो पिरियड और गलत ''एच0आई0वी0 निगेटिव'' परीक्षण परिणाम क्या है?

वे दोनों परीक्षण जिसके बारे में हम पहले बात कर चुके हैं तभी ''एच0आई0वी0 पाजिटिव'' निष्कर्ष देते हैं, जब आपके शरीर ने एच0आई0वी0 संक्रमण के विरूद्ध प्रतिक्रिया दी हो। इसमे कुछ समय लगता है और कुछ व्यक्तियों में यह लक्षण विकसित होने में छः महीने भी लग जाते हैं। इसे ही हम ''विण्डो पीरियड'' कहते हैं, जिसके दौरान प्रथम परीक्षण, द्वितीय परीक्षण (वेस्टर्न ब्लाट) या दोनों परीक्षणों से गलत ''एच0आई0वी0 निगेटिव'' परिणाम भी आ

सकता है, बावजूद इसके कि वह व्यक्ति वास्तव में एच0आई0वी0 से संक्रमित है। इसलिए आपका डॉक्टर आपको ''एच0आई0वी0 निगेटिव'' प्रमाणित किये जाने के बावजूद पुनः परीक्षण के लिए कुछ हफ्तों या महीनो में फिर से बुला सकता है।

वायरल लोड परीक्षण : विण्डो पीरियड के दौरान एच0आई0वी0 संक्रमण की जॉच के लिये ।

विण्डो पीरियड के दौरान एक अन्य प्रकार का परीक्षण भी हो सकता है। इसे हम ''वायरल लोड परीक्षण'' कहते हैं। यह एक अत्यन्त संवेदनशील परीक्षण है जिसमें खून में उपस्थित एच0आई0वी0 वायरस की संख्या का पता लगाते हैं। वायरल लोड परीक्षण सामान्यतः तब किया जाता है जब एक व्यक्ति पहले से ही ''एच0आई0वी0 पाजिटिव'' हो। आमतौर पर नव संक्रमित व्यक्तियों के सन्दर्भ में यह परीक्षण नही किया जाता है। अतः यदि आपके क्षेत्र में यह वायरल लोड परीक्षण उपलब्ध है, तो यह आपके एच0आई0वी0 से नव संक्रमित होने के बारे में पता लगाने के लिए उपयोगी हो सकता है। जब व्यक्ति एच0आई0वी0 संक्रमण के प्रारम्भिक दौर में होता है, तो एच0आई0वी0 वायरस शरीर में बहुत तेजी से बढ़ते हैं, क्योंकि उस समय तक शरीर के पास प्रबल प्रतिक्रिया देने और इससे लड़ने के लिए पर्याप्त समय नहीं होता है। इस दौरान, एक व्यक्ति के खून में बहुत अधिक मात्रा में एच0आई0वी0 वायरस होते हैं और इस समय यह एच0आई0वी0 का प्रसार करने में बहुत ज्यादा सक्षम होते हैं। दरअसल सम्भोग के द्वारा एच0आई0वी0

फैलने की सम्भावना एच0आई0वी0 संक्रमण के शुरूआती दौर में बहुत ज्यादा हो सकती है। इस दौरान, कुछ एच0आई0वी0 संक्रमित व्यक्तियों में नव ''एच0आई0वी0'' संक्रमण के लक्षण दिखाई पड़ते हैं : जैसे :–

बुखार

गले में सूजन (घाव)

थकान

चकते, फोड़े–फुन्सियाँ और

शरीर में दर्द

यदि आप एच0आई0वी0 संक्रमण के प्राथमिक अवस्था में हैं, तो इस बारे में अधिक जानकारी के लिए आप हमारा विडियो, ''क्या मैं अभी अभी एच0आई0वी0 के सम्पर्क में आया ? प्राथमिक एच0आई0वी0 संक्रमण के लक्षण'' को देख सकते हैं।

यदि आप सोचते हैं कि आप एच0आई0वी0 से संक्रमित हो सकते हैं तब जाँच कराना महत्वपूर्ण हो जाता है। यदि आप सोचते हैं कि आपके अन्दर एच0आई0वी0 संक्रमण के प्रारम्भिक लक्षण हैं तब यह और भी महत्वपूर्ण हो जाता है कि आप एच0आई0वी0 परीक्षण तुरन्त करवायें। वायरल लोड परीक्षण यदि उपलब्ध हो तो इसका उपयोग यह देखने के लिए किया जा सकता है कि आप ''एच0आई0वी0'' से सवंमित है या नहीं, इससे पहले कि आपके शरीर ने संक्रमण

पर अपनी प्रतिक्रिया दी हो और प्रथम एवं द्वितीय परीक्षण ''एच0आई0वी0 पाजिटिव'' परिणाम की पुष्टि करें। डॉक्टर से मिले और उन कारणों को बतायें जिससे आपको यह लगता है कि आप प्राथमिक रूप से एच0आई0वी0 से संक्रमित हो सकते हैं, और यह जानकारी लें कि वायरल लोड परीक्षण आपके लिए उचित है अथवा नहीं, आप ''एच0आई0वी0'' चिकित्सक से मिलने के बारे मे भी पूछ सकते हैं जो वायरल लोड परीक्षण के बारे में ज्यादा जानता हो।

3. ''एक व्यक्ति के एच0आई0वी0 के सम्पर्क में आने के कितने समय बाद एच0आई0वी0 पाजिटिव परिणाम पाने में कितना समय लग सकता है ?

''अलग–अलग व्यक्तियों का शरीर एच0आई0वी0 के विरूद्ध प्रतिक्रिया दिखाने में अलग–अलग समय ले सकता है जिससे कि प्रथम परीक्षण से उन्हें ''एच0आई0वी0 पाजिटिव'' घोषित किया जा सके''। रोग नियन्त्रक एवं बचाव संस्थान यू0एस0 के अनुसार

औसतन किसी भी मनुष्य के शरीर द्वारा प्रतिक्रिया देने में कम से कम 25 दिन लगते हैं, जिसके बाद प्रथम परीक्षण से उसे ''एच0आई0वी0 पाजिटिव'' घोषित किया जाता है।

अधिकतर व्यक्तियों के लिए पहला परीक्षण दो से आठ हफ्तों में एच0आई0वी0 पाजिटिव निष्कर्ष देता है।

प्रत्येक 100 में से 97 मनुष्यों में प्रथम परीक्षण ''एच0आई0वी0 पाजिटिव'' होने का परिणाम, संक्रमित होने के तीन महीने के अन्दर देता है।

बहुत ही कम मामलों में प्रथम परीक्षण से ''एच0आई0वी0 पाजिटिव'' निष्कर्ष आने की अवधि 6 माह होती है।

वायरल लोड परीक्षण के उपयोग से एच0आई0वी0 संक्रमण के बाद ''एच0आई0वी0 संक्रमण'' का पता 9 से 11 दिन मे चल सकता है।

4. ''प्रथम परीक्षण में गलत'' एच0आई0वी0 पाजिटिव'' निष्कर्ष आने की क्या संभावना है?''

प्रथम परीक्षण त्वरित, आसान, सस्ता और लगभग सही होता है परन्तु पूर्णतया विश्वसनीय नहीं होता है। एक वैज्ञानिक अध्ययन दिखाता है कि यदि किसी व्यक्ति के शरीर ने एच0आई0वी0 संक्रमण के प्रति पहले से ही प्रतिक्रया कर दी हो तो, प्रत्येक 1000 में से 997 मनुष्यों में प्रथम परीक्षण से ''एच0आई0वी0 पाजिटिव'' परिणाम आयेगा, जैसा कि इसे आना भी चाहिए।

वही वैज्ञानिक अध्ययन यह भी दिखाता है कि यदि एक व्यक्ति का प्रथम परीक्षण का निष्कर्ष एच0आई0वी0 पाजिटिव है तो उस व्यक्ति के प्रत्येक 1000 परीक्षणों में से 985 बार शुद्ध परिणाम आता है।

1000 में से शेष 15 परीक्षणों की क्या स्थिति है? यदि एक व्यक्ति का प्रथम परीक्षण का निष्कर्ष ''एच0आई0वी0 पाजिटिव'' है, लेकिन बाद में यह पता

चलता है कि व्यक्ति एच0आई0वी0 से संक्रमित नहीं है, तो हम प्रथम परीक्षण के निष्कर्ष को गलत ''एच0आई0वी0 पाजिटिव'' निष्कर्ष कहते हैं जो ''त्रुटिपूर्ण सकारात्मक'' या गलत पाजिटिव के नाम से भी जाना जाता है। प्रथम परीक्षण में ही गलत ''एच0आई0वी0 पाजिटिव'' परिणाम आते हैं। गर्भावस्था, कुछ दिनो पूर्व लगाये गये नजले के टीके और ल्यूपस् जैसी बीमारियां आदि प्रथम परीक्षण में गलत ''एच0आई0वी0 पाजिटिव'' परिणाम के लिए कुछ महत्वपूर्ण सम्भावित कारण हैं।

5. द्वितीय परीक्षण के बाद गलत ''एच0आई0वी0 पाजिटिव'' निष्कर्ष आने की क्या संभावना है?

यदि कोई व्यक्ति प्रथम परीक्षण में ''एच0आई0वी0 पाजिटिव'' निष्कर्ष पाता हैं, तब डॉक्टर एक दूसरी भिन्न प्रकार की जाँच जिसे हम वेस्टर्न ब्लाट परीक्षण कहते हैं, प्रथम परीक्षण की शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए करता है। यदि द्वितीय परीक्षण का निष्कर्ष भी ''एच0आई0वी0 पाजिटिव'' आता है, तब किसी व्यक्ति को ''एच0आई0वी0 पाजिटिव'' घोषित किया जाता है।

यह संभव है कि द्वितीय परीक्षण में आये ''एच0आई0वी0 पाजिटिव'' का निष्कर्ष गलत भी हो यद्यपि, इसकी संभावना बहुत ही कम है। वह वैज्ञानिक अध्ययन जिसके विषय में हम पहले बात कर चुके हैं यह दर्शाता है कि यदि एक व्यक्ति पहले एवं दूसरे परीक्षण में ''एच0आई0वी0 पाजिटिव'' पाया जाता है, तो

इसकी सम्भावना कि यह निष्कर्ष गलत होगा प्रत्येक 2,50,000 में से मात्र एक की होती है।

एच0आई0वी0 को अस्वीकार करने वाले व्यक्ति वो लोग हैं जिनका कहना है कि एच0आई0वी0 एड्स का कारण नहीं है। एच0आई0वी0 को अस्वीकार करने वाले व्यक्ति इन्टरनेट पर उपलब्ध विडियो और वेबसाइट के माध्यम से प्रायः ''गलत एच0आई0वी0 पाजिटिव'' निष्कर्षों के बारे में बात करते है और इस बात को बढ़ा–चढाकर पेश करते हैं कि इसकी सम्भावना बहुत ज्यादा होती है।

एच0आई0वी0 को अस्वीकार करने वाले प्रायः प्रथम परीक्षण मे आये गलत ''एच0आई0वी0 पाजिटिव'' परिणामों की बात कर रहे है जिनकी संख्या प्रथम परीक्षण के ''एच0आई0वी0 पाजिटिव'' में से प्रत्येक 1000 मे से ज्यादा से ज्यादा 15 तक हो सकती है। लेकिन विकसित देशो मे एक व्यक्ति को तबतक ''एच0आई0वी0 पाजिटिव'' घोषित नही किया जाता है जब तक कि उसके प्रथम एवं द्वितीय दोनो परीक्षणों का निष्कर्ष पाजिटिव न हो। यदि आपने दोनो प्रथम और द्वितीय परीक्षण करवा लिये हैं और आपका डॉक्टर आपको एच0आई0वी0 पाजिटिव बताता है तो उसका विश्वास कीजिए। इस तथ्य की सम्भावना सबसे अधिक है कि आप वास्तव में एच0आई0वी0 पाजिटिव हो चुके हैं। अगर आपको कोई भी सन्देह है कि आपके एच0आई0वी0 परीक्षण का परिणाम शुद्ध है अथवा नहीं तो आप अपने डॉक्टर से बात कीजिये।

6. '' क्या मैं एच0आई0वी0 परीक्षण मुफ्त करा सकता हूँ?''

हाँ, लगभग दुनिया मे हर जगह सार्वजनिक स्वास्थ्य केन्द्र या यौन संक्रमित उपचार केन्द्रों पर आप यह जाँच पूर्णतयः मुफ्त करा सकते हैं। यह न माने कि आपका स्वास्थ्य बीमा नहीं है या यदि आप जाँच शुल्क देने मे असमर्थ हैं तो आप एच0आई0वी0 जाँच नही करा सकते।

7. ''क्या मैं अपनी जाँच बिना अपना नाम बताये करा सकता हूँ?''

हाँ, यदि आप अपना एच0आई0वी0 जाँच कराना चाहते हैं किन्तु अपना नाम नहीं देना चाहते है तो ऐसा करने के लिए आपके पास कुछ तरीके हैं। आइये उनमे से प्रत्येक तरीकों के बारे मे बात करते है।

बेनाम परीक्षण–

कुछ जगहो पर, आप सार्वजनिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर जाकर अपना ''एच0आई0वी0'' परीक्षण बिना अपना नाम बताये या बेनाम रह कर करने के लिए कह सकते हैं। इसका अर्थ है कि आपका ''एच0आई0वी0'' परीक्षण बिना आपका नाम लिखे हो जायेगा।

गोपनीय, नाम आधारित परीक्षण–

इस प्रकार का बेनाम परीक्षण कार्यक्रम हर जगह उपलब्ध नहीं है। कुछ स्थानों पर परीक्षण के दौरान आपको अपना नाम बताना ही पड़ेगा। वे आपका नाम गोपनीय रखते है तथा इसे सार्वजनिक नहीं करते है। इसे ही गोपनीय, नाम

आधारित परीक्षण कहते है। यदि आप अपना वास्तविक नाम नहीं बताना चाहते तो आप ऐसा कर सकते है। सिर्फ एक नाम की वजह से आप अपना एच0आई0वी0 परीक्षण न रोके।

एच0आई0वी0–1 के लिये गृह आधारित परीक्षण–

एच0आई0वी0 के दो मुख्य प्रकार हैं : एच0आई0वी0 1 और एच0आई0वी0 2, एच0आई0वी0–1, एच0आई0वी0 का वह प्रकार है जो अधिकतर अफ्रीका के बाहर पाया जाता है। एच0आई0वी0–1 की जाँच का एक अन्य तरीका यह है कि आप किसी दवा की दुकान से एक घरेलू एच0आई0वी0–1 जाँच किट खरीद कर घर पर ही इसका परीक्षण कर सकते हैं। आपको किट खरीदने के लिए किसी डाक्टर के पर्चे की आवश्यकता नहीं है। आप दुकान पर जायें, इसे खरीदें तथा इसे अपने साथ घर ले आयें। घर आने पर, किट में दिये गये निर्देशों का पालन करते हुए अपने मसूड़ों से तरल लार जैसा पदार्थ प्राप्त करें, और इस नमूने को अस्पताल (जाँच केंन्द्र) भेज दें, तथा बाद में आप फोन करके अपने जाँच का निष्कर्ष जान सकते है। किसी को आपके नाम की जानकारी नहीं होगी क्योंकि इस जाँच का परिणाम आपको आपके किट के नम्बर के आधार पर मिलता है।

यह सेवा मुफ्त नही है, आपको परीक्षण किट के लिए भुगतान करना होता है लेकिन इसके लिए आपको नाम बताने की जरूरत नही है और आप इसे अपने घर में ही कर सकते हैं।

8. ''क्या ''एच0आई0वी0'' जाँच के लिए मुझे सुई का इस्तेमाल करना ही पड़ेगा?''

बहुत से स्थानों पर प्रथम परीक्षण के लिए आपको सुई के इस्तेमाल की जरूरत नहीं पड़ती। प्रथम परीक्षण को साधारण मुख द्रव (लार) से या उंगली में छोटी सुई चुभाकर किया जा सकता है। यदि प्रथम परीक्षण में एच0आई0वी0 पाजिटिव निष्कर्ष आता है तो द्वितीय परीक्षण के लिए आपको रक्त देना पड़ेगा लेकिन रक्त की यह मात्रा अत्यन्त कम होती है।

9. ''यदि मेरा परिणाम एच0आई0वी0 पाजिटिव आता है तो क्या इसका अर्थ यह है कि मुझे एड्स होने वाले है और मैं मरने वाला हूँ?''

ऐसे जरूरी नहीं है। वे व्यक्ति जो एच0आई0वी0 पाजिटिव है, वे अच्छे निर्णय लेकर अपने जीवन की अवधि को बढ़ा सकते है तथा स्वस्थ जीवन व्यतीत कर सकते है। यदि कोई व्यक्ति एच0आई0वी0 पीरक्षण कराता है और उसको परीक्षण के उपरान्त एच0आई0वी0 पाजिटिव होने का पता चलता है तो वह अपने डॉक्टर के निर्देशों का पालन करते हुए जिसमें यदि उचित हो, तो एड्स की दवा का प्रयोग करके अपने अन्दर एड्स के विकास को वर्षो या दशकों या सम्भवतः पूरे जीवन भर रोक सकता हैं।

10. ''मैं जाँच क्यों कराऊँ?''

यह त्वरित, आसान और मुफ्त है और इससे आपका व्यक्तिगत जीवन भी सुरक्षित होता है। यदि आप एच0आई0वी0 निगेटिव है, तो यह जाँच आपको बिना वजह परेशान होने से बचाती है। यदि आप एच0आई0वी0 पाजिटिव हैं तो यह जाँच आपकी अपनी जिंदगी, आपके यौन सहभागी की जिंदगी और भावी शिशु की जिंदगी को सुरक्षित करती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ हमें परीक्षण कराने की सलाह देते हैं। अतः प्रतीक्षा न करें। एच0आई0वी0 के विरुद्ध वैश्विक युद्ध में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें। जाँच करायें। मैं हूँ (प्रस्तुतकर्त्ता का नाम)